कविता

बाढ़ आया, भाई बाढ़ आया

- रविशंकर श्रीवास्तव

प्रदेश के पूर्वी हिस्से में बाढ़ का कहर

बचाव के लिए सेना बुलाई

भास्कर टीम, भोपाल, 9 सितंबर।

संभावना है लेकिन वर्षा रुकने का नाम ही नहीं ले रही है। सेना की टुकड़ी सागर संभाग मुख्यालय से रीवा के लिए ... हो गई। सतना जिला प्रशासन ने

देश में सर्वाधिक वर्षा के लिए कभी ख्यात रहे असम के चेरापूंजी में इन दिनों पीने के पानी की भारी किल्लत है। दूरदराज के झरनों से पीने का पानी लेकर आते खासी जनजाति के लोग।

बाढ़ आया, भाई बाढ़ आया
चँहु ओर पल्लवित जल,
खुशियाँ, झोंपड़े, फसल जलाता
बाढ़ आया, भाई बाढ़ आया

दम भर नहीं बीते थे
प्यासी थी धरती
खून के प्यासे थे पड़ोसी
लोटा भर जल के लिए
यही प्यास बुझाने क्या
बाढ़ आया, भाई बाढ़ आया

कहते हैं मेरे देश में
काफी भिन्नताएं है-
रस्मों-रिवाज, खान-पान, भाषा-बोली और धरम-करम
तभी ! चेरापूंजी में पीने का पानी नहीं
बाढ़ आया, भाई बाढ़ आया

गंगा – कावेरी , यमुना – गाँधी सागर
तमिलनाडु – कर्नाटक, गुजरात – एम.पी.
कहीं नदी के , कहीं बाँध के झगड़े
सेना की अटकी नाव के बीच
पुराने ट्यूब से बचाया भाई
बाढ़ आया, भाई बाढ़ आया

100, सुकृति, राजीव नगर, कस्तूरबा, रतलाम म.प्र. 457001